



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

6/10/87

सं० 134]

No. 134]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 23, 1987/आषाढ़ 2, 1909

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 23, 1987/ASADHA 2, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 193 आई टी सी (पी एन)/85—88

नई दिल्ली, 23 जून, 1987

विषय — जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित भारतीय कृषक उर्वरक लिमिटेड (इफको) के अनोला उर्वरक सयत्न परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ही 5 839 बिलियन येन (आई डी पी 38) के येन क्रेडिट के अधीन उपकरण और सेवाओं के सबंध में लाइसेंस शर्तें।

फा सं आई पी सी/23/26/85—88 — भारतीय कृषक उर्वरक सह-कारिता लि (इफको) की अनोला उर्वरक सयत्न परियोजना की आयात आवश्यकताओं को वित्तपोषित करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा स्वीकृत 5 839 बिलियन येन क्रेडिट के अधीन आयात लाइसेंस जारी करने को नियंत्रित करने वाली शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं जानकारी के लिए अधिमूचित की जाती हैं।

राजीव लोचन मिश्र

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

एम पी धूपर उप मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 193-आई टी सी (पी एन)

85—88, दिनांक 23-6-87 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित भारतीय कृषक उर्वरक लि. (इफको) के अनोला उर्वरक सयत्न परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 5 839 बिलियन येन (आई डी पी 38) के येन क्रेडिट के अधीन उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंस शर्तें।

खण्ड 1 सामान्य शर्तें

1(1) इफको की ए ओ एन एल ए उर्वरक परियोजना की आयात आवश्यकताओं के वित्त पोषण के लिए जापान विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा विस्तारित 5 839 बिलियन येन क्रेडिट भारत महित जापान और सभी विकासशील देशों के लिए रखा गया है। तदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध 1 की सूची में उद्धृत (भारत महित) सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पात्र स्त्रोत देश होंगे।

1(2) अनोला उर्वरक सयत्न परियोजना की आयात आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 175 करोड़ रुपए की धनराशि के लिए एक बोक आयात लाइसेंस सं० आई/सीजी/2041440, दिनांक 24-10-85 इफको का पहले ही जारी कर दिया गया है। आयात लाइसेंस 23-10-1987 तक वैध है।

1(3) यदि कोई प्राप्ति समय वृद्धि/न्यून आयात लाइसेंस जारी करने के लिए अनुरोध है तो वह आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(4) इस क्रेडिट के अधीन वित्त पोषित किए जाने वाले आयात लाइसेंस के साथ संलग्न माल और सेवाओं की ऐसी सूची तक सीमित है जो लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा विधिवत साध्यांकित हों।

1(5) आयात लाइसेंस के मद्दे विदेशी मुद्रा का कोई प्रेषण अनुमित नहीं किया जाएगा। भारतीय अधिकर्ता के कमिशन का कोई भी भुगतान भारत में अधिकर्ता को भारतीय रुपए में किया जाना चाहिए, तथापि, ऐसा भुगतान लाइसेंस मूल्य के भाग के रूप में होगा और इसीलिए लाइसेंस के खर्च में डाला जाएगा।

1(6) पक्के आदेश अनुबन्ध 1 में उल्लिखित देशों में स्थापित विदेशी संभरकों को जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत और भाड़ा पर विये जाने चाहिए और आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजे जाने चाहिए। "पक्के आदेशों" का अर्थ है वह क्रय आदेश जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित विदेशी संभरकों को दिए जाते हैं या एमो-क्रय संधिदा जो भारतीय आयातक और विदेशी संभरक दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हो। विदेशी संभरक के भारतीय अधिकर्ता पर आदेश और/या ऐसे भारतीय अधिकर्ता पर पुष्टि आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(7) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य कर देने चाहिए। माल के पोसलवन्त पर अलग अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पोसलवन्त वस्तुओं के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की श्रृण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के बितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित अनुसार व्यवस्था होनी चाहिए :—

"साखपत्र की प्राप्ति के बाद..... महीने परन्तु अधिक से अधिक..... के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।"

पोसलवान के लिए आर्थिक स्थिति निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह नियम 31-12-88 के बाव की न हो।

खण्ड 2—संभरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत बीमा भाड़ा मूल्य स्के में (येन के अंगों को छोड़ देना चाहिए) सम्बन्धित होना चाहिए और समें भारतीय अधिकर्ता का कमिशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपए या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में सम्बन्धित नहीं होना चाहिए। क्रय आभार और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आवेग केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) श्रृण की धनराशि में से वित्तपोषित की जाने वाली सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति निम्नलिखित परिपूरक निर्धारणों के सहित श्रृण के अधीन अधिप्राप्ति के भागदर्शनों के अनुसार की जाएगी।

(क) यदि किसी मामले में माल और सेवाओं का आकलन 300 मिलियन येन से कम नहीं है तो :—

(1) यदि यह प्रस्तावित किया जाता है कि अधिप्राप्ति तरीके के अनुमोदन के लिए थोड़ी सी एक को आवेदन भेजने के लिए पूर्व श्रृणों के सहित औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय बिबिदा से बिबि अधिप्राप्ति प्रक्रिया

का बिकल्प किया जाता है तो थोड़ी सी एक से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना पड़ेगा।

(2) सफल बोलीकारी की निर्णय की सूचना देने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट के साथ निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र थोड़ी सी एक को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन अनुमोदन के लिए उपयुक्त आवेदन पत्र के साथ पूर्व भर्तता की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों को नोटिस और अनुदेश बोली प्रपत्र, प्रस्तावित संधिदा, बोली से संबंधित विशिष्टिकरण और ब्राइंग और अन्य दस्तावेज थोड़ी सी एक को उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 300 मिलियन येन से कम आकलन बिबि जाने वाली मूल्य की माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में थोड़ी सी एक को पूर्व अनुमोदन संधिदा का निर्णय देने के लिए इन शर्त पर जरूरी नहीं है कि बिबिदा के डेर को युक्तिमगत बाटा गया है। लेकिन यदि थोड़ी सी एक बिबिदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि के लिए अनुरोध करता है तो उसे थोड़ी सी एक को उसकी पुनरीक्षा के लिए भेजा जाएगा।

(ग) उपर्युक्त (क) (1) क (2) और (ख) में उल्लिखित आवेदन पत्र/वस्तुवैज आयातक द्वारा आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में थोड़ी सी एक को भेजने के लिए भेजे जाएंगे।

(घ) किसी भी बिबि के बिना जो एक येन से कम का हो संधिदा जापानी येन में ही नियत एवं देय होगी।

(ङ) बोली दस्तावेज में कौन-कौन से पात्र स्त्रोत देश हैं उन्हें बर्णित जाएगा।

(च) बोलियों के मूल्यांकन में किसी भी बोलीकार को बनीयता की गुंजाइश नहीं दी जाएगी।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1986-87 के लिए थोड़ी सी एक, येन क्रेडिट (परियोजना सहयता) सं. आई डी पी-38 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखसत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका थोड़ा नीचे खण्ड-6 में बिया गया है।

2(4) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिक होंगे या पात्र स्त्रोत देशों से शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शामिल वैध व्यक्ति होंगे।

2(5) अपात्र स्त्रोत देशों से अनुदेश देशों से अनुदेश आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्त्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तवान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूख के अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एकक का मूल्य मदवार आधार पर आयातित भाग 30 प्रतिशत से कम हो।

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क

× 1000

संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरक के मामले में कैट्टी कीमत अपनाई जाएगी)

2(6) संधिदा में घोषणा—प्रत्येक संधिदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :—

मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संबंधित किया जाने वाला माल— (संबंधित पात्र स्त्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

“मैं, प्रबोद्धसाक्षरी प्रागे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार प्रपात्र खोन देशों से आयातित माल निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है —

आयातित यागत बीमा भाडा मूल्य + आयात शुल्क
----- × 100

संभरक का जहाज पर निशुल्क मूल्य
(जहाँ लागू हो फैंक्री कीमत बताए)

‘मैं प्रबोद्धसाक्षरी, एतद्वारा मत्यापित करता हूँ कि —-----
(पात्र होत देश का नाम) में, ----- (कम्पनी का नाम) रमा-
विष्ट और पजीकृत हो चुकी है और पात्र खोन देशों के राष्ट्रिको द्वारा नियमित है —

खण्ड-3 संभरक ठेका में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेका में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समा-
विष्ट होने चाहिए.—

- (क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच हफवो के ए ओ एन एल ए (अनोला) उर्बरक परियोजना के लिए येन फ्रेडिट सं० आर्० ई डी पी-38 (परियोजना महायता) से संबंधित 18 दिसम्बर, 1986 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए।
- (ख) संभरको को भुगतान, भारत सरकार और अपनी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच येन फ्रेडिट सं० आर्० ई डी पी-38 से संबंधित 18 दिसम्बर, 1986 को हुए ऋण समझौते के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।
- (ग) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगी जो एक भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा येन ऋण के अधीन अपेक्षित हो।
- (घ) 2(5) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तीन पतियों में)।
- (ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरण संबंधों के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए उत्तम है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो की शामिल भाषा की सुपुर्गी के कार्यकर्म से अवगत कराएगा और पोतलवान से कम से कम 6 मप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक हस्तक्षेप हो सके सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलवान के मप्रवात आवश्यक व्यौरे वेते हुए तार सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) द्वारा ठेके को पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पहले आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और संभरको दोनों द्वारा विधिवत दस्तावेजित ठेके की चार प्रतियाँ जो विदेशी संभरक द्वारा लिखित में पुष्टि राष्ट्रीय के माध्यम हो या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियाँ संगत वैध आयात

लाइसेंस की दो फोटो प्रतियाँ सहित और अनुबन्ध-2 में दिए गए प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र” की दो प्रतियाँ आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि का सभी ठेके के लिए और ठेके की विषयवस्तु के लिए अनिवार्य आशाधनो के कारण संशोधनो या उनकी कीमती पर भी लागू होगी।

4(3) वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग संविदा की प्रति के सहित संविदा निष्पादन करने का नोटिस ओ ई सी एफ को उसकी पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। संविदा निष्पादन करने के नोटिस के साथ संविदा की एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो और लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजी जाएगी जिसके साथ “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र” और लाइसेंस की फोटो प्रति की एक प्रत भी उन्हें भेजी जाएगी।

खण्ड-5 विदेशी संभरको का भुगतान साखपत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग के संविदा निष्पादन करने का नोटिस और संविदा के मिलने पर, सी ए ए एण्ड ए संबंधित विदेशी संभरक के लिए सलग्न प्रपत्र-3 में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जो संबंधित विदेशी संभरक के नाम में वास्तविक आयातों के लिए सलग्न अनुबन्ध-4 के रूप में या (सेवाओं के लिए) अनुबन्ध-5 के रूप में अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए भारतीय बैंक की टोकियो भेजा जाना चाहिए। प्राधिकार पत्र की प्रतियाँ (विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ), भारतीय दूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय को भी पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक टोकियो अनुबन्ध-4 के अनुसार (आयातों के लिए लागू) या अनुबन्ध-5 लागू होता है या 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरको के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसका एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और महायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी ए ए एण्ड ए से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख पत्रों के संशोधनों पर स्वन लागू होगी।

5(3) माल का पोतलवान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकरो के माध्यम से साख पत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इण्डिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा (यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इण्डिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि के विदेशी संभरक को उसके बैंकरो के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साखपत्र खोलने, उसके अधीन सीमा करने और यदि कोई विदेशी संभरको के बैंकरो के अन्य प्रभारों के लिए बैंक आफ इण्डिया टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार आयातक/विदेशी संभरको द्वारा चुकाए जाएँगे। संविदा मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि की प्राप्ति होने पर ओ ई सी एफ द्वारा एक वचनबद्धता पत्र जारी किया जाएगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा ऋणनिधि में से स्वयं अर्थात् की जाएगी। आयातक को ओ ई सी एफ से या लेखा परीक्षा नियंत्रक वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर वचनबद्धता पत्र के इस पत्र के मुख्य रूप से भारत सरकार के लेखों में जमा कराना

पड़ेगा। ओ ई सी एफ को भुगतान की तिथि से और रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों दिन मिलाकर) का ब्याज भी आयातक द्वारा चालू दर पर वसूला जाएगा।

आयातक द्वारा इस प्रकार के 0.10 प्रतिशत के खर्च भी प्रतिपूर्ति प्रक्रिया के अधीन देय है। विदेशी संभरक को आयातों की लागत के भुगतान की तिथि से ओ ई सी एफ द्वारा प्रतिपूर्ति की तारीख तक की गिने जानी जाने वाली अवधि के लिए भारतीय बैंक टोकियो को देय ब्याज के खर्च भारत के संबद्ध आयातक बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंकिंग चेतन के माध्यम से भारतीय बैंक टोकियो को प्रेषण करके तय किया जाएगा।

5(3) प्रति-पूर्ति क्रिया-विधि

भारतीय संभरको के माल एवं सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की धनराशि के वितरण के लिए क्रिया-विधि, ऋण समझौते के माध्यम से की गई प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट म संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को निरपवाद रूप से से परकाय्य जहाज रानी वस्तावेजों रिहा होने से पहले इस बात की सुनिश्चित करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिए समय-समय से चालू वर्तमान 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष के हिस्से से गिनी गई योन भुगतान के समतुल्य रूप के लिए ब्याज प्रभार और उससे अधिक अधिक की अवधि के लिए वास्तविक रुपया निक्षेप की तारीख से विदेशी संभरक को बैंक आफ इण्डिया, टोकियो, द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से प्रभार भी मूल धनराशि के साथ सार्वजनिक सूचना सं० 31-मार्च टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 से के अनुसार जमा कराने पड़ेगे।

इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिए कि इन दोनों दिनों अर्थात् जिस तारीख को भुगतान किया जाना है और जिस तारीख को नार्च सूचना सं० 103-मार्च टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और नार्च सूचना सं० 31-मार्च टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं० 74-मार्च टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार ब्याज लिया जाएगा।

आयातक की संभरक को किए गए भुगतान की धनराशि और तारीख का निष्पत्ति करने के लिए अलग से व्यवस्था करनी चाहिए। भारतीय बैंक टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोतपरिवहन अधि वस्तावेजों की देरी से प्राप्त को रुपया निक्षेप पर देय ब्याज की आधिक और पूरी धनराशि की छूट के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए योन भुगतान के समतुल्य रूप की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की यह निश्चित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं० 109-मार्च टी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं० 8-मार्च टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिषदों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातक को अपने वस्तावेजों सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा

कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने वस्तावेजों से वस्तावेजों की सुपुर्वगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी गई है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अंतर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्वगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार की देय धनराशि को माल की सुपुर्वगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो प्राप्ति के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बंद कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को प्राप्ति और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीट में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपोजिट्स एण्ड एक्वालिज--843 सिविल डिपोजिट्स डिपोजिट्स फार परमिजिज एटस्ट्रा एक्वालिज एंडर फेडिटस लोन एग्रीमेंट" "लोन फ्रॉम दि गवर्नमेंट आफ जापान 5.839 बिलियन येन फेडिट सं. आई. डी. पी. --38 फर ए अगोला फटिलाइजर प्रोजेक्ट" होता चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार की सीख से सार्वजनिक सूचना सं. 184-मार्च टी. सी. (पी. एन.)/68, दिनांक 30-8-68, सं. 433-मार्च टी. सी. (पी. एन.)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-मार्च टी. सी. (पी. एन.)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-मार्च टी. सी. (पी. एन.)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-मार्च टी. सी. (पी. एन.)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर संबद्ध भारतीय बैंक को ऊपर निर्धारित तरीके से यह प्रतिरिक्त धनराशि सेवाओं के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातक/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-मार्च टी. सी. (पी. एन.)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना चालान के बाधक "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ध्यान में" निरपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित ध्याने निरपवाद रूप में प्रस्तुत करने चाहिए:—

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र सं. और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के माध्यम निक्षेप किए जाते हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी ए ए एण्ड ए द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र को संबंध देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन वस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना-चालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए एण्ड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपया का निक्षेप भारतीय बैंक, टोकियो की प्रदायगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतपरिवहन वस्तावेजों की प्राप्त के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके सत्काल बाद सी ए ए एण्ड ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मूद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर कथित विधेयों की धनराशि का पुष्ठांकन करना चाहिए और अर्थात् "मूद्रा" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, यम्बई की भेजना चाहिए।

खण्ड-8 विविध व्यवस्थाएँ

8(1) प्रा.य.न. लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्टें

प्रा.य.न. का पोतलवान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेयर धनराशि के बारे में साक्ष्य पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, संयुक्त मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) संभरका को विशेष शर्तों के बारे में अधिपुष्टित करना

लाइसेंसधारी के प्रा.य.न. लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरका को मुक्त कर देना चाहिए जो साल के लाने में संभरका पर प्रभाव डालते हैं।

8(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरका के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय रिजर्व बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरका द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबंध-2 में "भुगतान की शर्तों" के अंतर्गत अन्तर्गत से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविधान की शर्तों में विवाद के निपटान में संबद्ध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

8(4) भविष्य अनुदेश

प्रा.य.न. लाइसेंस या उसके संबंध में उठे खर्च होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परिचयन, सहायता) स. प्रा.ई. डी. पी.-38 के अधीन सभी प्राधान्यों की विदेशी अधिक निगत निधि, जापान (प्रो. ई. सी. एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निवेदनों, अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

8(5) प्रतिक्रमण या उत्प्रेषण

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिक्रमण या उत्प्रेषण करने पर प्रा.य.न.नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

8(6) अनुबंधों की सूची

- 1 अनुबंध-1 पत्र स्तोत दशों की सूची ..
- 2 अनुबंध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुबंध
- 3 अनुबंध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
- 4 अनुबंध-4 साक्ष्य पत्र का प्रपत्र (वास्तविक प्रा.य.न.कों के लिए लागू)
- 5 अनुबंध-5 साक्ष्य पत्र का प्रपत्र (सेवकों के लिए लागू)

पाठ्यक्रम देशों की सूची

1 (क) विकासशील देश उनके क्षेत्र

(क-1) तैर-आवेक विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी महाद्वीप

मिश्र

मोरोको

तुनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी महाद्वीप

अंगोला

केमरून

नामिबीया

मध्य गिनी (1)

घाना

कीनिया

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

मालागासीगणतंत्र

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

नामिबीया

8 श्रीलंका

धोक द्वीप समूह	फिजी	गिलबर्ट और इलाइ द्वीप
फ्रांसिसी पोलीनेशिया (5)	नारू	न्यू कैलेडोनिया
न्यू हेब्रिडीस (ब्रिग और फ)	नियू	पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)

पाजुवा न्यू चिनी सोलोमन द्वीप समूह (आ)
टोगा

वालिस और फुतुना पश्चिमी सामोआ

9 यूरोप

साइप्रस	डिब्राल्टर	ग्रैंक
माल्टा	स्पेन	तुर्की
यूगोस्लाविया		

- (1) मुख्य द्वीप एण्टिगुवा, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेंट किट्स (सेंट क्रिस्टोफो) नेविस, ग्रेनुइला, सेंट लूसिया और सेंट विन्सेंट
- (3) मुख्य द्वीप समूह मोन्सेरात, सेमान, तुर्की और वाइकोस और ब्रिटिश बरजिन द्वीप समूह।
- (3) अजमन, दुबई फुजाइरत, राम अलखे माह शारजाह और उम अलकव-वेन
- (4) अदन और विभिन्न सल्तनत और अमीरात सहित।
- (5) सोसायटी द्वीप समूह (ताहिती सहित) को शामिल करते हुए अस्ट्रल द्वीप समूह, टुआमोट-जाबियार ग्रुप और कांकेशम द्वीप समूह।
- (6) पैसिफिक द्वीप समूह की ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और मेरिन द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)
- (क) 2-ओ पी ई सी के सदस्य या सहयोगी देश

अल्जीरिया	बोलिविया	लीबियाई अरब गणतंत्र
ग्रेबोना	नाइजरिया	इक्वेडोर
बैंग्ल्ला	ईरान	ईराक
कुवैत	कतार	मऊरी अरब
आबू धाबी	इंडोनेशिया	

अनुबन्ध-2

अधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन-पत्र

संख्या-----दिनांक-----

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा निर्यंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू सी ओ बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय :- वेन क्रेडिट स. आई डी पी (1985-86 के लिए
परियोजना सहायता) -----के अंतर्गत
जापान से-----का आयात।

महोदय,

उत्तर उल्लिखित वेन क्रेडिट स. आई डी पी (परियोजना सहायता)
के अधीन-----से-----को आयात के संबंध में
----- (बैंक का नाम) -----जो कि
वरी त्रात जाहिर जा नोब (2) व सर्वद्वारा द्वारा बैंक के नाम से साख-
पत्र खोलने के लिए दिया गया है, को राजस्व पत्र जारी करने के लिए
हम आपको निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत करते हैं

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य वह तारीख जिस
तक वैध है।

(ग) प्राप्ति के तरीके-----स्या वह सीधे क्रय या
औपचारिक खुले अंतर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है? इसके
भावले में यदि कोई कारण हो तो उसके सहित या संकेतित
होना चाहिए कि क्या संविदा कर निर्णय उपयुक्त तकनीकी
उस्ताव के आधार पर किया गया है?

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ) माल का उद्गम देश

(च) यदि कोई हो तो पत्र से भिन्न कौन देशों से आयातित सचटको
का प्रतिशत

(छ) संविदा का कुल जहाज पर निशुल्क मूल्य (येन में)

(ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि
(येन में)

(झ) वास्तविक जहाज पर निशुल्क लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन
में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांग गया है।

(3) समप्रभार के सभरको के साथ की गई संविदा की संख्या एवं
दिनांक।

(ट) विदेशी संभरक का नाम पता और राष्ट्रीयता।

(ठ) वे भुगतान शर्तें और सभावित तिथियां जिनको संविदा के अंतर्गत
भुगतान देय होंगे।

(ड) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।

(ढ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए
जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका
निपटान दिखाते हुए)।

(ण) पोतलदान अनुदेश वाहनान्तरण पर्ट शिपमेंट की अनुमति दी
गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए।

(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(ब) क्या उसी लाइसेंस के अंतर्गत/संविदा (संविदाएं) कर दी गई है
और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दी गई है,
यदि हा तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य
और वित्त मंत्रालय का वह सदस्य जिसके अंतर्गत ओ ई सी.
एफ को उसे अधिसूचित किया गया है।

(द) क्या साख-पत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ
इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च आयातको/या सभरको द्वारा
वहन किए जाने हैं।

(ध) आयातक द्वारा वचनबद्धता

‘हम एतद्वारा सरकार-द्वारा निर्धारित तरीके से और दर
से विदेशी सभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को
पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निक्षेप
माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्दगी सौचने से पूर्व तत्काल
ही धनराशि जमा कराई जाएगी। विदेशी राष्ट्रीयता वाले
की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, दिए गए उद्यो ही
विदेशी संभरकों के बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए
और संभरको को भुगतान कर दिया जाए, सभी ही धनराशि जमा
करा दी जाए।’

अनुसूची-1

स. एक.
भारत सरकार
विश्व मंत्रालय
अधिक कार्य विभाग
नई दिल्ली,

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय:- येन क्रेडिट (परिचालन, सहयोग) कृपण करार स. आई डी
पी. के अधीन आयात साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र
जारी करना

प्रिय महोदय

आपके बैंक के साथ 25.3.1980 का किए गए समझौते की शर्तों
के अनुसार आपकी एलएद्वारा यथा संलग्न ध्योरे के अनुसार सर्वे श्री
..... के नाम से येन
धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साख पत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया
जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख-पत्र की प्रति आयातक-
के बैंक, श्री. ई. सी. एक भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठा
कित की जाए।

3. साख-पत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान
आपकी निधि से किया जाएगा। भुगतान के साथ श्री ई. सी. एक
को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का शेष
तत्काल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करने के बाद आपको
(आयातक के बैंक का नाम और पता) को मूल पोतपरिवहन दस्तावेज
(मोल सोल वाले) और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूर्ण मेट और नकद
भुगतान यदि कोई हो तो उनके सहित संभरक को किए गए भुगतानों के
लिए क्रेडिट एडवाइस की एक प्रति भेजनी चाहिए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की निधि से और
श्री. ई. सी. एक, द्वारा उनकी प्रति पूर्ति की निधि तक के बीच के समय
के लिए आपको वेप व्याज प्रभार का निपटान आपके द्वारा भारत
सरकार के लेखों को प्रभावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम
से भारत से आयातक के संबंध बैंक के साथ किया जाएगा। बैंकों के अन्य
खर्च जिनमें साख पत्र खोलने, रखरखाव करने और साख पत्रों को जारी
रखने के लिए खर्च भी शामिल है क्योंकि वे भी परक्राम्य दस्तावेजों के
संचालन से संबंधित है और यदि कोई हो तो, विदेशी संभरकों के बैंकों
के खर्च भी विदेशी संभरक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा
उनका भुगतान नही किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरकों
से प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रविष्टि
का शेष श्री. ई. सी. एक में नही किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी
प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसकी सूचना निम्नलिखित प्रपत्र में
इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र नगरपाल रोडको के नाम से साखपत्र खोलने
के लिए है इस मंत्रालय के विशिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण

के मुद्दे छोड़े गए धर्मों के लिए साखपत्र या साखपत्रों में बाध से संश्लेषों
का अनुपालन नहीं किया जाएगा।

8. यह प्राधिकार पत्र तक वैध
रहेगा।

9. कृपया टेके से संबंधित सभी पत्राचारों में और भुगतान प्रदर्शन
करने वाली एडवाइस में भी प्रस्तुत अनुवेष्टा पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या
का हवाला दें।

सबदीय

लेखा अधिकारी

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. आयातक-.....को उनके पत्र सं.....
दिनांक के संदर्भ में।

उत्तरे अनुरोध है कि वे बैंकों में विनियम दस्तावेजों की डिप्लोमरी लेने से
पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप प्राप्ति
जमा करने का प्रबंध करें। अपवाद परिस्थितियों के रूप में यदि मान की डिप्लोमरी
सीधे ही सीमाशुल्क और पतन प्राधिकारियों से मूल पोतलवान दस्तावेज भेजे
बिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो डिप्लोमरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किये जाने चाहिए।
विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही संबंध
बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप शीघ्रता
और उचित रूप से न करने पर आइसम गतों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती
है।

2. (1) आयातक के बैंक-.....को यह आयात लाइसेंस
.....दिनांक.....के संदर्भ में है

यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अधीन आयातों की नियंत्रित करने वाली संबंधित
लाइसेंस शर्तों के अन्तर्गत जारी किया जाता है। कृपया लाइसेंस गतों और संबंधित
सार्वजनिक सूचना/आवेश का अवलोकन किया जाए और आयात/विदेशी
भुगतानों में संबंधित उचित कार्रवाई की जाए।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शां
से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरकों को येन भुगतान के बराबर रुपये
जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों का मुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की
गणना सार्वजनिक सूचना स. 8 आई. टी. सी. (पी एन)/76, दिनांक
17-1-86 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचनाओं समय समय पर जारी की जाए
के अनुसार संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन
की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 2 प्रतिशत वार्षिक
दर से और इसमें अधिक छूट के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से छूट जो
कि संभरक को भुगतान की तारीख बैंक आफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की तारीख
और जब समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो
प्रवर्धनों के बीच की अवधि के लिए दिया जाता है उक्त भी सार्वजनिक सूचना सं.
31 आई टी सी (पी एन)/43, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के
लेखों में जमा कराना अपेक्षित है ध्यात दोनों दिनों के लिए वैध है, अर्थात् वह
तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और यह भी तारीख
जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर से
परिवर्तन किया जायेगा उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना
चाहिए कि आयातक को मोना शुल्क की निहासी के लिए आयात दस्तावेजों का
मूल मेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

(3) ये धनराशियां या वा भारतीय रिज़र्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय
स्टेट बैंक, नीम हजारी से चालान के दाहिने ओर काउ सं 5130000009
द्वारा ही जमा करनी चाहिए। इस संदर्भ में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना स.
184 आई टी सी (पी एन)/86 दिनांक 30-8-68, 233 आई टी सी (पी एन)/
68 दिनांक 24-10-1968, 132 आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71
में। 74 आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 एच स. 103-आई

टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 में दिए गए आदेशों को और दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है "के डिपॉजिट एण्ड एडवांस-843 सिविल डिपॉजिट्स—डिपॉजिट फार परचेजिंग एटसेंटा ब्रान्ड एंडर परचेजिंग अंडर क्रेडिट/ लोन एप्रोमिस लोन फ्रॉम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान 8,195 बिलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई टी सी 35 फार 19-85-80 है।

(4) जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं० 132 आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-71 के अनुसार तकद जमा कराना है

उसमें बालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक ऑफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देने हुए अग्रेशन पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जायेगी

प्राप्त्यतः लेखा तथा लेखा परीक्षा निंत्रक,

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

पहली मंजिल, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग,

संयुक्त मार्ग, नई दिल्ली 110001

(5) जिन मामलों में मुख्य रुपया ऊपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना सं. दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाये उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिये। सभी मामलों में, जमा किये गये मुख्य रुपये का पूरा प्रयोग इस विभाग को भेजना चाहिये।

(6) संभरक को भुगतान की तिथि से और ओ ई सी एक द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तारीख तक के बीच के समय के विरुद्ध बैंक ऑफ इंडिया देय व्याज प्रभार सीधे ही आपके द्वारा भारत सरकार के लेख को प्रभावी किये बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से भारत में आयातक के बैंक के साथ निपटाये जायेंगे।

निदेशक, ऋण विभाग 2,

समुद्रधार आर्थिक सहयोग निधि,

टेकजली म्यूडी बिल्डिंग, 4—1, ओहायो रोड, कोल.

चिपेडा कु, टोकियो 100 जापान।

भारतीय दूतावास, टोकियो।

अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय,

आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(7) संभरक को किये गये प्रत्येक भुगतान के लिये मूल दस्तावेज (चाहे वाणिज्यिक बीजक, बैंक गारंटी, पोत परिवहन दस्तावेजों के लेन देन संबंधी सैट आदि हो) आयातक को सब तक नहीं देने चाहिये जब तक कि उपर्युक्त (2) और (3) के अनुसार कार्रवाई न कर ली गई हो।

(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के रूप में बैंकों के संबंध और उत्तरदायित्व भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए. डी. परिपत्रों में निबध्ति किये गये हैं। इस संबंध में ए. डी. परिपत्र सं. 2 दिनांक 18-6-77 की ओर विशेष ध्यान दिवाना जाना है।

(9) रुपया भविष्य के पत्राचार में इन पत्र की पावती और संदर्भ बिहित करें।

अनुसूच-4

(ओ ई सी एक एन सी-1 प्रवृत्त)

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(मान के लिए नाम)

सेवा में

प्रिय महोदय

(पत्रक का नाम और पता)

दिनांक

यह साखपत्र (अपी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए बीजक के पूरे मूल्य के लिए दर्शनी हुण्डी द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. खोल दिया है जो येन (येन कह सकते हैं) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेज के साथ भेजा जाना है :—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक

क्लीन ग्रान बोर्ड; समुद्री पोत लदान बिल जिनमें दिए गए आदेशों को पूरा सैट ही बैंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फ्रेट एवं नोटिफाई"

अन्य दस्तावेज जिसमें से तक लदान का सत्यापन दिया गया हो (संबंध सं.) (यदि कोई हो) के संदर्भ में संक्षिप्त विवरण आर्थिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनान्तरण स्वीकृत है।

पोतलदान बिल जो में बोर्ड की तिथि का नहीं होता चाहिए। आदेशों को 19 तक अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी डाफ्ट और दस्तावेजों पर यह अंकन होता चाहिए अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. दिनांक 19 के अंतर्गत निकलवाया गया और आयात संदर्भ सं. (संख्या) यदि कोई हो, यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों का अनुपालन करके निकलवाए गए सभी डाफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तार पूर्वक न बताया जाए कि क्रेडिट यूनिफार्म फ्रेमवर्क प्रेक्टिस फार डॉक्यूमेंट क्रेडिट्स (1974. रिडीजन) इंटरनेशनल चैम्बर ऑफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290 के अधीन है। सौदा करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

"उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत जारी किए गए वचनपत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम सौदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार हुण्डी की धनराशि को लौटा देंगे।"

2. सौदा करने वाले बैंक को यह वचन देते हुए हम डाफ्ट और दस्तावेजों का एक सैट और इसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजें कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा को भेजे दिए गए

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्चे आयातक/संपूरक के लिये के लिए हैं।

भवदीय,

(.....)

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा.....

प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान शर्तें

यह भुगतान हमारी साख्यपत्र सं०..... का अभिन्न अंग है।

1 प्रारंभिक भुगतान

धनराशि.....येन जो कि
कुल संविदा मूल्य के.....
प्रतिफल है।

अपेक्षित दस्तावेज

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

2 मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि.....येन
जो कि कुल संविदा मूल्य का.....
प्रतिफल है।

अपेक्षित दस्तावेज

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

3. पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

धनराशि.....येन संविदा
के कुल मूल्य का.....प्रतिफल
है।

टिप्पणी:—पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में हम
संवर्गन दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।

अनुबन्ध-5

(घो ई गी एफ एल सी प्रपत्र-2)

अपरिवर्तनीय साख्यपत्र
(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक.....

मे. में

यह साख्यपत्र ऋणी और विदेशी
आर्थिक सहयोग के बीच हुए ऋण
कारार सं.....
दिनांक.....

(संभरक का नाम व पता) के अनुसरण में जारी किया गया है।
प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण
व्योरे मूल्य के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एंड गारंटी द्वारा उपलब्ध रकम या
रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साख्यपत्र सं.....
बोका दिया है जो येन.....(येन.....पहले) की कुल धनराशि
के अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा.....
और परियोजना.....) से संबंधित दस्तावेजों को तय कराना
है और तय करने के लिए ड्राफ्ट.....के पहले प्रस्तुत किए जाने
चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेज अपरिवर्तनीय साख्यपत्र सं.....
दिनांक.....के अन्तर्गत भुता किए गए हैं, से चिह्नित होने
चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एनद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों को
अनुपालना में भुता गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशिनी
की सुविधा पर विधिवत स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा ह्यू से विस्तार पूर्वक न बताया जाए, यह क्रेडिट
"यूनिफार्म कस्टम एंड प्रैक्टिस फार इन्कुमेंटरी क्रेडिट्स (1974 डिवीजन)
इण्टरनेशनल चैम्बर ऑफ कॉमर्स नं. 290" के अधीन है।

सीदा तय करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश:

इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मालीनी अधिकारी
द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात
इस क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान
अनुसूची के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारंभिक भुगतान के मामले में
उपयुक्त निष्पादन के विवरण के बजाए लाभकारी विवरण की आवश्यकता
है।

ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता
पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुग-
तान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राफ्टों की धनराशि का
मौल्य सीमा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार
परेषित करने का वचन देते हैं।

3 उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेज की एक प्रति और
ड्राफ्ट हमें उसकी प्राप्ति के सुस्त बाद ही भेजे जाएंगे।

4 हम यात्र के अन्तर्गत बैंक सभी खर्चे संभरकों के लेखे के लिए

भवदीय,

(वाणिज्यिक बैंक)

द्वारा.....

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साख्यपत्र सं.....का एक
अभिन्न अंग है।

1 प्रारंभिक भुगतान.....
धनराशि.....येन
कुल संविदा मूल्य का.....प्रतिफल है।
अपेक्षित दस्तावेज लाभकारी विवरण की अंतिम भुगतान तिथि

2 भुगतान वृत्ति

मवपूर्ण योग की धनराशि येन
कुल संविदा मूल्य का प्रतिमान
निम्न प्रकार से भुगतान किया जाता है

देय धनराशि अंतिम भुगतान तिथि

येन

पहली किस्त येन

.....
.....
.....

अपेक्षित दस्तावेज (श्रृणी अध्याय उनके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है

निष्पादन का विवरण

दिनांक

सदस्य सं.

सेवा में,

.....
.....
.....

(संस्करण का नाम और पता)

संदर्भ :- श्रृणी करार सं. के अस्तित्व
परिचयन से संबंधित के नाम से
येन के लिए द्वारा जारी किए गए
साक्ष्य की सं. दिनांक

मै, अधोहस्ताक्षरी, प्रतिनिधि (श्रृणी एतद्वारा
और के बीच समझौता सं.
दिनांक में निहित भुगतान की शर्तों के अनुसार
समझौता प्राथमिक सहायता निधि द्वारा
की धनराशि (..... येन केवल) प्राप्त करने के
लिए एक निष्पादन विवरण जारी करना है।

(.....)

(श्रृणी)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष धनदेश

वस्तुनिष्ठ निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा)

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 193-ITC(PN)|85-88

New Delhi, the 23rd June, 1987

Subject : Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 5.839 billion (ID-P. 38) for the implementation of the Aonla Fertilizer Plant Project of the Indian Farmers' Fertilizer Co-operative Limited (IFFCO) extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan.

F. No. IPC/23(26)|85-88.—The terms and conditions governing the issuance of import licences under the 5.839 Billion Yen Credit extended by the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the AONLA Fertilizer Plant Project of the Indian Farmers' Fertilizer Co-operative Limited (IFFCO) as given Appendix to this Public Notice are notified for information.

R. L. MISRA, Chief Controller
of Imports & Exports

S. P. DHUPAR, Dy. Chief Controller
of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice

No. 193-ITC(PN)|85-88 dated 23-6-1987

Licensing conditions in respect of Import of Equipment and Services under the Yen Credit of Yen 5.839 Billion (ID-P. 38) for the implementation of the Aonla Fertiliser Plant Project of the Indian Farmers Fertiliser Cooperative Ltd. (IFFCO) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan

Section I—General Conditions

I. (i) The Yen Credit of Yen 5.839 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Aonla Fertiliser Project of IFFCO is united in favour of Japan and all the developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I. (ii) IFFCO has already been issued a bulk import licence No. JICG/2041440 dated 24-10-1985 for an amount of Rs. 175 crores to meet its import requirements for the Aonla Fertiliser Plant Project. The import licence is valid till 23-10-1987

I. (iii) Request for further extension/issue of a fresh import licence, if any, should be referred to the Department of Economic Affairs (Japan Section)

I. (iv) Import to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I. (v) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agents commission should be made in Indian rupees to the agents in India, such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I. (vi) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section). "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas Supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or orders confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I. (vii) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :—

".....Months after the receipt of Letter of credit but to be completed latest by the end.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-1990.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II. (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million Yen :—

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Formal Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation

report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specifications and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tender lots are divided reasonable. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) The application documents mentioned in (a)(i), (a)(ii) and (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

(d) Contract shall be fixed and payable in Japanese Yen without any fraction less than one Yen.

(e) The bidding documents shall state which are the Eligible Source Countries.

(f) In the evaluation of bids, any bidder shall not be granted a margin of preference.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project A/d No. ID-P-38 for 1986-87 the details of which are given in Section VI below.

II (iv) Eligibility of Supplier.—The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (v) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :—

$$\text{IMPORTED CIF PRICE} + \frac{\text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted).

II (vi) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier signed and dated by the supplier shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in—
(name of eligible source country)."

I the undersigned, further certify that the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30 per cent in accordance with the following formula) :—

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory price)

"I, the undersigned and hereby certify that—
 ———(name of company) has been incorporated and registered in— (name of eligible source country), and is controlled by nationals of the eligible source countries".

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III. (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 18th December, 1986 concerning the Yen Credit No. ID-P-38 (Project Aid) for Aonla Fertiliser Project of IFFCO.
- (b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable Letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P-38 dated 18th December, 1986 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The Overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate in the forms indicated in II (vi)).
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and for that purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the goods involved and notify the Embassy of India at least six week in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importer require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Review of contract by OECF

IV. (i) Within the stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Deptt. of E.A.

IV. (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV. (iii) The Ministry of Finance, Deptt. of E.A., will send Notice of Conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by the Deptt. of E.A. to the Embassy of India, Tokyo and Office of the CAA&A alongwith one copy each of the "Request for issue of L.A." and photocopy of the import Licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers—
 Letter of Credit Procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V. (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V. (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V. (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers' Bank of India by remittance to the Bank of India Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V. (v) Reimbursement Procedure.—Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI. (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate of prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-1983.

It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976 and Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-1983.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping documents etc. by the importers' Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN)76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under Credits/Loan Agreements". Loans from the Government of Japan—5.839 Billion Yen Credit No.-ID-P-38 for the Aonla Fertiliser Project.

VI. (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)63 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-74 and No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976.

VI. (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-71 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

(a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.

(b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.

(c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI. (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII. (i) Reports on Utilisation of the Import Licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank building, Parliament Street, New Delhi.

VIII. (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII. (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII. (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-38 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII. (v) Breach or Violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII. (vi) List of Annexures :

Annexure I—List of eligible source countries.

Annexure II—Request for issue of Letter of Authority.

Annexure III—Form of Letter of Authority.

Annexure IV—Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure V—Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt.
Morocco.
Tunisia.

II. AFRICA, South of Sahara

Angola.
Botswana.
Burundi.
Cameroon.
Cape Verde Islands.
Central African Rep.
Chad.
Comoro Islands.
Congo, People's Republic of Dahomey.
Equatorial Guinea (1).
Ethiopia.
Gambia.
Ghana.
Guinea.
Ivory Coast.
Kenya.
Lesotho.
Liberia.
Malagasy Republic.
Malawi.
Mali.
Mauritania, Mauritius.
Mozambique.
Niger.
Portuguese Guinea.
Reunion.
Rhodesia.
Rwanda.
St. Helena and dep (2).
Sao Tomo and Principe.
Senegal.
Seychelles.
Sierra Leone.
Somalia.
Sudan.
Swaziland.
Togo, Afars and Issas.
Togo.
Uganda.
Un. Rep. of Tanzania.
Upper Volta.
Zaire Republic.
Zambia.

III. AMERICA, North end Cont.

Bahamao.
Barbados.
Belize.
Bermuda.
Costa Rica.
Cuba.
Dominican Republic
EL Salvador.
Guadeloupe.
Guatemala.
Haiti.
Honduras.
Jamaica.
Martinique.
Mexico.
Netherlands Antilles.
Nicaragua.
Panama.
St. Pierre & Miquelon.
Trinidad and Tobago.

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando Po.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

AMERICA, North & Central
(Continued)

West Indies (Br.) n.i.e

(a) Associated States (1).

(b) Dependencies (2).

IV. AMERICA, South

Argentina.
Bolivia.
Brazil.
Chile.
Colombia.
Falkland Islands.
French Guiana
Guyana.
Paraguay.
Peru.
Surinam
Uruguay.

V ASIA, Middle East

Baharain.
Israel.
Jordan.
Lebanon
Qman.

Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3).
Yemen Arab Republic.
Yemen, People's D.R. (4).

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma.
India.
Maldives
Nepal.
Pakistan.
Sri Lanka.

VII. ASIA, Far East

Brunei.
Hong Kong.
Khmer. Republic.
Korea, Republic of
Laos.
Macao.
Malaysia.
Philippines.
Singapore.
Taiwan.
Thailand.
Timor.
Viet-Nam, Rep. of.
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands.
Fiji.
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru.
New Caledonia.
New Hebrides (Br. and Fr.).
Niue.
Pacific Islands (US) (6).

1 Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.

3 Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

4 Including Aden and various Sultanates and Emirates

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti), the Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands

6 Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands, Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.).

Papua New Guinea.
Solomon Islands (Br.).
Tonga.
Wallis and Futuna
Western Samoa.

IX. EUROPE

Cyprus.
Gibraltar.
Greece.
Malta.
Spain.
Turkey.
Yugoslavia.

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria.
Bolivia.
Libyan Arab Republic
Gabon.
Nigeria.
Ecuador.
Venezuela.
Iran.
Iraq.
Kuwait.
Qatar.
Saudi Arabia.
Abu Dhabi.
Indonesia.

ANNEXURE II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
U.C.O. Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
NEW DELHI-110001.

Subject :—Import of _____ from Japan under
the Yen Credit No. ID-P- _____ (Project
Aid for 1985-86).

Sir,

In connection with the import of _____
from _____ under the above mentioned Yen
Credit No. ID-P- _____ (Project Aid) we furnish the
following particulars to enable you to issue the Letter
of Authority to the _____ (name
of the Bank) which should be the same as given in
(P) below for opening a Letter of Credit in favour
of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and address of the Indian importer
(b) Number, date and value of the import
licence and date upto which it is valid.

(c) Method of procurement—whether it is based
on direct purchase or Formal Open Inter-
national Tendering in which case it should
be indicated whether the contract has been
awarded on the basis of technically suitable
offer with reasons, if any.

(d) Brief description of the goods.

(e) Origin of the goods.

(f) Percentage of the import components from
non-eligible source countries, if any.

(g) Gross FOB|C&F value of contract (in Yen).

(h) Amount of Indian agents commission (in
Yen), if any.

(i) Net FOB|C&F value (In Yen) for which
the Letter of Authority is required.

(j) Number and date of the contract with over-
seas suppliers.

(k) Name, Address and Nationality of the
Overseas Supplier.

(l) Payments terms and probable dates on which
payments under the contract will fall due.

(m) Expected date of completion of deliveries.

(n) Documents to be presented at the time of
payment to Bank of India, Tokyo (indicat-
ing No. of sets of each and their disposal).

(o) Shipment instructions (indicate if trans-
shipment|part-shipment permitted or not
permitted).

(p) Name and address of the importer's Bank
in India.

(q) Whether a contract(s) under the same
licence has been placed and notified to the
Japanese authorities, and if so, the No.,
date and value of each such contract and
the reference of the Ministry of Finance
under which it has been notified to the
O.E.C.F.

(r) Whether the banking charges of the Bank
of India, Tokyo for opening, maintenance
and operation of the Letter of Credit will
be borne by the importer|supplier.

(s) Undertaking by the importer :

"We hereby undertake to make full and correct
deposit of the rupee equivalent etc., of
the payment made to the foreign supplier
in the manner and at the rate prescribed
by Government. The deposits will be
made promptly before taking delivery of
each consignment of the goods (material
importers). In case of payment for servi-
ces of foreign nationals, the deposits will
be made as soon as the relevant invoices
of the foreign suppliers are approved by
us and the payment made to the sup-
pliers."

ANNEXURE III

(Letter of Authority Form)

No. F.

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To,

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject :—Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P- Issue of
Letter of Authority for opening Letter of
Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-1980 entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring Ms. _____ as per attached details.

2. A copy each of the Letter of Credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payment to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the dates of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank of India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the importer overseas suppliers. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the Overseas suppliers. Subsequent

amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This letter of Authority will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

(ACCOUNTS OFFICER)

Copy forwarded to :—

1. Importer— _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importer's Banker— _____. This has reference to import Licence No. _____ dated _____. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen Credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to an appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice

No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposit is made into Government Account. (Any change in this rate will be notified if and when made). It would be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-68, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-71, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76. The ahead of account to be credited is "K-Deposits & Advances—843—Civil Deposits—Deposit for purchase etc. abroad under Purchase under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 5.839 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P-38 for 1986-87.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch. The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the dates of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4—1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

Embassy of India, Tokyo.

The under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance Department of Economic Affairs, New Delhi

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Banks' duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

ANNEXURE—IV

Form OECF—LC 1

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

DATE :

TO

.....
.....

(Name and address of the Supplier)

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No.dated.....between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of (Say Yen,) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in Full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped, referring to Contract No.(if any) from to Partial shipments are Permitted. Transshipments is permitted. Bills of lading must be dated not Later than Drafts must be presented for negotiation not later than.

All drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under irrevocable credit No. dated and Import Reference No. (s) (if any).

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating banks :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the abovementioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/suppliers.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By :.....
(Authorized Signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount :..... being per cent of the total contract price.

Required documents :
Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount :..... being per cent of the total contract price.

Required documents :
Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount :..... being per cent of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

ANNEXURE—V FORM OECF—LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

Date :

TO

.....
.....
(Name and address of
the Supplier)

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. dated between (Borrower) and the overseas economic cooperation fund.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of (Say Yen) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. with regard to Project). (Drafts must be presented for negotiation not later than.)

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. dated".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank:

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment (s) under this credit must be made in accordance with the payment schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments, the beneficiary's statement is required instead of the above-mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to

remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the document as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the importers suppliers.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By.....
(Authorized Signature).

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial payment

Amount Yen.....being per cent of the total contract price.

Required documents : beneficiary's Statement.

Latest Presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen.....being per cent of the total contract price to be as follows:

Ist Instalment

	Amount due Latest presentation date
Yen.....
Yen.....
Yen.....
.....

Required document : a copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority). a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date :

Ref. No.

TO

.....
.....

(Name and address of the Supplier)

Re :Letter of Credit No. dated issued by for Yen.....in favour of concerning Project under Loan Agreement No.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle to receive the sum of (Yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No., dated....., between, and.....

.....
(BORROWER)

BY
(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.